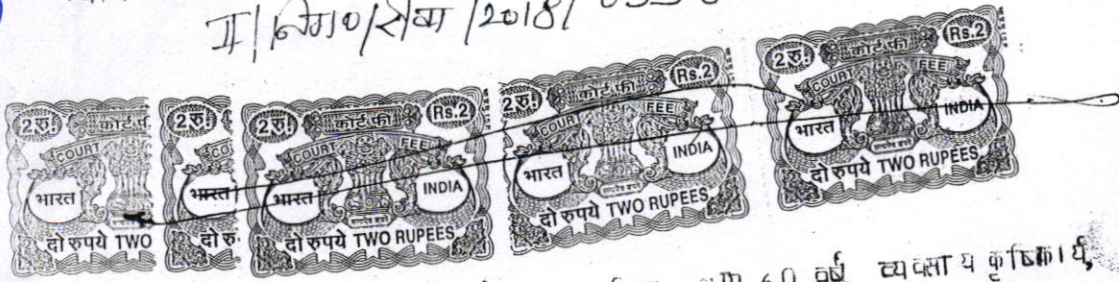


न्यायालय श्रीमान् राजस्व मंडल, ग्वालियर, कैम्पकोर्ट रोवा म०प्र०

II/वि०/रीवा/2018/0590



चन्द्रकांत मिश्र आत्म स्व० श्री लालराम मिश्र, आयु 60 वर्ष, व्यवसाय कृषिकार्थ, निवासी ग्राम रकरी, पोडो बहेराडाबर, रा०नि० मं० मउगंज, तहसील मउगंज, जिला रोवा

म०प्र०----- ओक्क/ रिवाजनर

बनाम

ठाकुर प्रसाद मिश्र आत्म ब्रह्मदेव मिश्र, आयु 70 वर्ष, व्यवसाय कृषिकार्थ, निवासी ग्राम रकरी, पोडो बहेराडाबर, रा०नि० मं० मउगंज, तहसील मउगंज, जिला रोवा

म०प्र०-----अनाक्क/ नानरिवाजनर

प्रकरण क्र०- 58 अ127 2016-2017 में पारित आदेश दिनांक 29-09-2017 के विरुद्ध।

रिवाजन अन्तर्गत धारा- 50 म०प्र०:DRTO सं० 1959/201

मान्य वर,

रिवाजन निम्न बिन्दुओं पर आधारित है :-----

1. राजस्व निरोधक द्वारा पारित आदेश में प्रक्रियात्मक त्रुटि है, जिसे

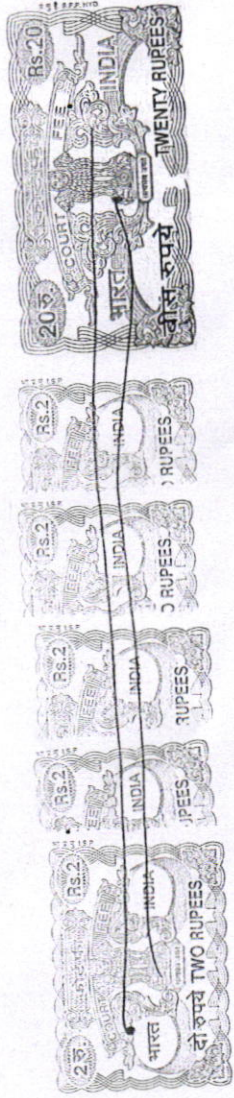
स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है।

2. रिवाजनदार द्वारा तहसीलदार मउगंज जिला रोवा को आपतित प्रस्तुत की गई थी, जिसका निराकरण राजस्व निरोधक द्वारा नहीं किया जाकर अंतिम आदेश पारित किया गया है। रा०नि० में इस बिन्दु पर विचार नहीं किया कि

भूमि नं० 141 क्षेत्रफल Q 401 और कतसी मोकन की प्रकृतियों के अनुसार भूमि क्र० 141 में मात्र Q 401 और के ही भूमिस्वामी है फिर किस प्रकार स्वामित्व से भी

अधिक रिवाजनर को भूमि को माप को गई। रिवाजनर को भूमि को माप करने

चन्द्रकांत मिश्र



राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक दो-निगरानी/रीवा/भू.रा./2018/590

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषक आदि के हस्ताक्षर
०१-०८-१८	<p>यह निगरानी राजस्व निरीक्षक वृत्त मउगंज तहसील मउगंज जिला रीवा के प्रकरण क्रमांक 58 अ-12/16-17 में पारित आदेश दिनांक 29-9-2017 के विरुद्ध म.प्र.भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्कों पर विचार करने एवं प्रस्तुत अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि अनावेदक द्वारा उसके स्वामित्व की आराजी क्रमांक 137/1, 138, 139, 140, 141, 557, 572/2/1, 594/1, 595/1/1, 596/1/2 कुल कित्ता 10 के सीमांकन का आवेदन दिया था, जिस पर से दो पटवारियों हलका बहेराडावर एवं गंज ने राजस्व निरीक्षक के साथ मौके पर जाकर दिनांक 16-5-2017 को सीमांकन किया है। सीमांकन पर आवेदक ने आपत्ति दर्ज कराई है। राजस्व निरीक्षक ने आपत्तिकर्ता एवं भूमिस्वामी दोनों को सुना है तथा आवेदक की आपत्ति निरस्त करते हुये किये गये सीमांकन कर अंतिमता प्रदान की है।</p> <p>आवेदक के अभिभाषक का तर्क है कि अनावेदक की भूमि के किये गये सीमांकन से आवेदक की भूमि प्रभावित कर दी गई है। इसलिये गलत किये गये सीमांकन को निरस्त किया जाय। यह तथ्य निर्विवाद है कि सीमांकित भूमि अनावेदक के स्वत्व एवं स्वामित्व की है जिसका सीमांकन कराने का वह अधिकारी है। यदि अनावेदक की भूमि के किये गये सीमांकन से आवेदक स्वयं की भूमि को प्रभावित होना मानता है, तब वह स्वयं की</p>	

भूमि का सीमांकन राजस्व निरीक्षक से वरिष्ठ अधिकारी अधीक्षक भू अभिलेख अथवा सहायक अधीक्षक भू अभिलेख से ई०टी०एस०एम० के माध्यम से कराने हेतु स्वतंत्र है जिसके कारण अनावेदक के स्वामित्व की भूमि के किये गये सीमांकन पर राजस्व निरीक्षक वृत्त मउगंज तहसील मउगंज जिला रीवा के प्रकरण क्रमांक 58 अ-12/16-17 में पारित आदेश दिनांक 29-9-2027 में हस्तक्षेप करना उचित नहीं है। निगरानी सारहीन होने से इसी-स्तर पर अमान्य की जाती है।


सदस्य

